an>

Title: Issue regarding corruption involved in Uttar Pradesh Public Service Commission.

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी (बस्ती) : अध्यक्ष महोदया, मैं उत्तर प्रदेश के नौजवानों के भविष्य से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण विषय के बारे में आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश का लोक सेवा आयोग, जहां से चयनित हो कर तमाम नौजवान देश के विकास में अपना योगदान देते हैं, वही आज भ्रष्टाचार का अखाड़ा बन गया है जहां नौकरियां मिलती नहीं हैं, बल्कि पैसों पर बेची जाती हैं।

माननीय अध्यक्ष : आरोप बहुत लगा रहे हैं।

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी: मैं इलाहाबाद में रहा हूं जहां पर लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश का कार्यालय है। जहां नौजवान अपने सुंदर भविष्य का सपना संजो कर पढ़ाई करने आते हैं लेकिन दुर्भाग्य है कि इस समय नौजवानों को अपने कमरे में बैठकर पढ़ाई करनी चाहिए लेकिन वे इस समय सड़कों पर लोक सेवा आयोग के भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं, पुलिस की लाठियां खा रहे हैं और हाई कोर्ट से लोक सेवा आयोग को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की गुहार लगा रहा है।

महोदया, लोक सेवा आयोग में भ्रष्टाचार का यह आलम है कि यहां आवेदकों की योग्यता देख कर नहीं बल्कि उनकी जाति और क्षेत्र देख कर नौकरियां दी जाती हैं। लोक सेवा आयोग में यह भ्रष्टाचार प्रदेश सरकार के इशारे पर हो रहा है।

माननीय अध्यक्ष : एलिगेशन नहीं लगाया जाए।

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी: इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि आयोग के अध्यक्ष के रूप में ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति की गई है, जिसका आपराधिक रिकार्ड रहा है।

माननीय अध्यक्ष : आप आरोप मत लगाइए।

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी: तमाम विरोधों के बाद भी प्रदेश सरकार ने उस व्यक्ति को अध्यक्ष पद से नहीं हटाया है। अंत में हाई कोर्ट द्वारा वह व्यक्ति बर्खास्त किया गया। इसके बाद भी प्रदेश सरकार माननीय उच्च न्यायालय के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में एस.एल.पी. तक ले गई किंतु प्रदेश सरकार इतने पर भी अपने भ्रष्टाचार रवैये से बाज नहीं आई।

माननीय अध्यक्ष : आप स्टेट का मामला उठा रहे हैं।

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी: प्रदेश सरकार ने अंतरिम अध्यक्ष के रूप में ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति की, जिसका भी आपराधिक रिकार्ड है और उसे हटाने के लिए भी हाई कोर्ट में याचिका विचाराधीन है।

माननीय अध्यक्ष : जो बात हाई कोर्ट में विचाराधीन है, वह भी आप यहां न कहें।

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी: महोदया, लोक सेवा आयोग ही नहीं बल्कि उच्चतर सेवा आयोग और माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, राज्य अधीनस्थ चयन बोर्ड भी प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार की कालिख में डूबे हुए हैं। महोदया, हाई कोर्ट ने माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के अध्यक्ष को भी भ्रष्टाचार के कारण बाहर निकाला है।

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाएं, आपने अपनी बात कह दी है।

â€¦(व्यवधान)

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी: महोदया, मैं अपनी बात समाप्त करने जा रहा हूं। तीन सदस्यों को उनकी अयोग्ता के कारण उनके काम-काज पर रोक लगाई है। कोरम के अभाव में लाखों परीक्षार्थियों का परीक्षा फल घोषित नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण लाखों नौजवानों का भविष्य अधर में लटका हुआ है।â€¦ *

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री पुष्पेंद्र सिंह चंदेल,

श्री चंदू प्रकाश,

श्री शरद त्रिपाठी और

श्री हरी नारायण राजभर को श्री हरीश द्विवेदी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

The House stands adjourned to meet again at 2.20 p.m.

13.19 hours

The Lok Sabha then adjourned till Twenty Minutes past Fourteen

of the Clock.